वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर

द्वारा

राष्ट्रीय सेवा योजना

के तत्वाधान में आयोजित

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह - 2019

दिनांक: 12 जनवरी 2019

योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महराज

के सान्निध्य में

योग महोत्सव कार्यक्रम

कार्यक्रम स्थल: एकलव्य स्टेडियम

समय: पूर्वान्ह 11:00 बजे

एक ऐसे भारतीय युवा जिसने तेजस्वी संन्यासी बनकर भारतीय संस्कृति के माध्यम से पूरी दुनिया को रूबरू कराया हो और वह भी बिना किसी स्वार्थ के, बचपन के उस नरेन्द्रनाथ दत्त (स्वामी विवेकानन्द) की गौरवमयी जयन्ती संपूर्ण देश में, १२ जनवरी को प्रतिवर्ष **'राष्ट्रीय युवा दिवस'** के रूप में मनायी जाती है। संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयानुसार सन् १९८४ ई. को 'अन्तरराष्ट्रीय युवा वर्ष' घोषित करने के प्रतिफल इसके महत्त्व का विचार करते हुए भारत सरकार ने निश्चय किया कि सन १९८४ से 12 जनवरी को प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का दिन 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में देशभर में सर्वत्र मनाया जाए। *स्वामी जी का दर्शन, जीवन तथा कार्य के पश्चात निहित उनका आदर्श भारतीय युवकों के लिए प्रेरणा का बहुत बड़ा स्रोत है*। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में उन्होंने वर्तमान भारत को द्रढ़ता से प्रभावित किया है। भारत की युवा पीढ़ी स्वामी विवेकानन्द जी के विराट जीवन दर्शन, ज्ञान, प्रेरणा एवं तेज के स्रोत से सतत लाभान्वित है। स्वामी जी ने अपने आध्यात्मिक चिंतन और दर्शन से न सिर्फ लोगों को प्रेरणा दी बल्कि भारत को पूरे विश्व में एक अलग पहचान के साथ गौरान्वित करते हुए भारतीय संस्कृति की सुगंध सम्पूर्ण विश्व मंडल में भी फैलाई इसके साथ ही उन्होनें अपनी रचनाओं का प्रभाव पूरे विश्व में डाला जो की सम्पूर्ण युवा जगत को सतत एक नई राह दिखाता है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालांतर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्व. वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। विश्वविद्यालय को वर्ष 2016 में नैक द्वारा बी+ ग्रेड प्रदान किया गया है। यह विश्वविद्यालय कुल 171.5 एकड़ की विस्तृत भूमि पर लहलहाती हुई शक्तिशाली एवं हरित जैवबिबधता को संजोये हुए फैला हुआ है। वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न संकायों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावासों में सर्वसुविधायें उपलब्ध है। यहाँ के प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था भी अनुकरणीय है। इसके अलावा छात्र सुविधा केंद्र, सुसज्जित संगोष्ठी भवन, अतिथिगृह, शिक्षक अतिथिगृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर भवन तथा राष्ट्रीय स्तर का एकलव्य स्टेडियम भी परिसर को विशिष्टता प्रदान करतें हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों एवं उनके संघटक विभागों के लिए अलग-अलग भवनों का कलात्मकता से निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इंटरनेट– वाई–फाई एवं सी.सी.टी.वी. कैमरे से सुसज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केंद्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई–लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ई-जर्नल, ई-बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ एडुसैट व्यवस्था के अंतर्गत छात्रों को इग्नू, यू.जी.सी., ए.आई.सी.टी.ई. की वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा भी प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विगत वर्षों में विश्वविद्यालय के युवा खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अंतर्राष्ट्रीय पटल पर पहुंचाया है। विश्वविद्यालय यू.जी.सी. के इ.-पोर्टल शोध गंगा पर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम तथा देश में तीसरा स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान

में पूर्वांचल के चार जनपदों के आठ सौ से अधिक महाविद्यालय; विश्वविद्यालय से संबंध है। विश्वविद्यालय के वर्तमान दृढ़निश्चयी एवं यशस्वी कुलपति प्रो. (डॉ.) राजा राम यादव के कुशल नेतृत्व, सत्प्रेरणा तथा दृढ़निश्चयों के प्रतिफल वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय नए–नए रोजगारपरक पाठ्यक्रम, विभाग एवं संस्थान स्थापित कर उत्तरोत्तर चहुंमुखी विकास की ओर तीव्रगति से अग्रसर हैं।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान

प्रख्यात शिक्षाविद, वैज्ञानिक, समाजसेवी, समरसता व वैचारिक सामंजस्य के पुरोधा एवं असाधारण व्यक्तित्व के धनी प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) द्वारा विज्ञान, शिक्षा व समाजिक क्षेत्र में किये गए अतुलनीय योगदान को आगे बढ़ाते हुए उनकी स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 'प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान' की अभूतपूर्व स्थापना सत्र 2018-19 में की गई है। प्रो. राजेंद्र सिंह भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के अंतर्गत कुल चार विभाग एवं दो अनुसन्धान केंद्र *'नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर'* व *'वैकल्पिक ऊर्जा अनुसन्धान केंद्र'* भी स्थापित किये गए हैं, जिनमे परास्नातक (एम्.एस-सी.) व शोध (पी-एच. डी. & Post Doc.) के पाठयक्रम संचालित हो रहे है। संस्थान में शोध व अनुसन्धान के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं व उत्कृष्ट प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है। इस संस्थान में विज्ञान के विविध क्षेत्रों में उच्चस्तरीय अनुसन्धान हेतु XRD, SEM-EDS, HR-TEM, UV–Vis., FT-IR, APS-100, TPS-500 इत्यादि अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरण स्थापित किये गए है। संस्थान के प्रत्येक चारों विभागों में साठ साठ (60) एम्.एस-सी. की सीटें निर्धारित हैं जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड एडमिशन टेस्ट (PUCAT) के माध्यम से प्रतिवर्ष जून-जुलाई के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में सुयोग्य प्राध्यापकों के निर्देशन में शोध (पी-एच. डी.) की भी यू.जी.सी. के मानको के अनुसार सीटें निर्धारित हैं जिनमें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (PUCRET) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। संस्थान अपनी अत्याधुनिक कला शैली के अंतर्गत नवीनतम तकनीकी सुबिधाओं से संपन्न एक विकसित नवनिर्मित समृद्धशाली ईमारत में संचालित विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र है। संस्थान से अध्यनोपरांत छात्र एवं छात्राएं देश एवं दुनिया के प्रतिष्ठित सरकारी एवं निजी संस्थानों में शिक्षक, वैज्ञानिक, भूगर्भ वैज्ञानिक, मौसम वैज्ञानिक, भौतिक वैज्ञानिक, केमिस्ट, फर्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज इत्यादि क्षेत्रों में पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

विज्ञान संकाय

विज्ञान संकाय के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में कुल चार विभाग (बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एवं पर्यावरण विज्ञान) संचालित हैं, जिनमे परास्नातक (एम्.एस-सी.) स्तर के पाठयक्रम संचालित हो रहे है। संकाय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में शोध (पी-एच. डी.) का पाठ्यक्रम भी कुशल प्राध्यापकों के निर्देशन में सफलता पूर्वक संचालित किया जा रहा है, संकाय में शोध व अनुसन्धान के लिए उच्चीकृत एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सुविधाएं व उत्कृष्ट प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है। संकाय में मशरुम की खेती को बढ़ावा देने के लिए *'मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान'* भी स्थापित किया गया है जो किसानो तथा विद्यार्थियों को मशरुम की खेती हेतु प्रशिक्षित एवं जागरूक करता है। संकाय से अध्यनोपरांत संकाय के छात्र एवं छात्राएं देश एवं दुनिया के प्रतिष्ठित सरकारी एवं निजी संस्थानों में शिक्षक, वैज्ञानिक, बायोटेक्नोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, बायोकेमिस्ट, पर्यावरण वैज्ञानिक, क्वालिटी कंट्रोल प्रबंधक, पैथोलोजिस्ट, फर्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज इत्यादि क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ देकर विश्वविद्यालय का नाम विश्व पटल पर प्रज्वलित कर रहें हैं संकाय में निष्पादित विभिन्न क्षेत्रों के शोध कार्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित एवं ख्यातिलब्ध शोध पत्रिकायों में प्रकाशित होते रहतें हैं। संकाय के सभी चारों विभागों में सौ सौ (100) एम्.एस-सी. की सीटें निर्धारित हैं जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड एडमिशन टेस्ट (PUCAT) के माध्यम से प्रतिवर्ष जून-जुलाई के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है। संकाय में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के अनुभवी एवं कर्मठ प्राध्यापकों के निर्देशन में शोध (पी-एच. डी.) की भी यू.जी.सी. के मानको के अनुसार सीटें निर्धारित हैं जिनमें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (PUCRET) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

प्रबंध अध्ययन संकाय

प्रबंध अध्ययन संकाय के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में प्रबंध अध्ययन के छह विविध विभागों में MBA, MBA(FC), MBA(BE), MBA (HRD), MBA (Agri-Business) तथा MBA (E-Com.) के परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित हैं| इस संकाय में कुशल प्राध्यापको के निर्देशन में शोध पी-एच. डी., के कार्यक्रम भी संचालित हैं, जिनका प्रवेश, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शोध प्रवेश परीक्षा PUCRET में उत्तीर्ण अभ्यर्थीयो को दिया जाता हैं। संकाय में पूर्ण विकसित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, पुस्तकालय एवं कंप्यूटरीकृत व्याख्यान हॉल छात्रों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं। संकाय में विभिन्न पाठ्यक्रमों से उपाधि प्राप्त छात्र एवं छात्रायें देश एवं विदेश में अपनी योग्यता का लोहा मनवा रहे हैं। संकाय के प्रत्येक विभाग में सौ सौ (100) सीटें निर्धारित हैं जिसमे उत्तर प्रदेश स्टेट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (UPSEE) परीक्षा एवं बची शेष सीटों का विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित स्वयं के पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड एडमिशन टेस्ट (PUCAT) के माध्यम से प्रतिवर्ष जून-जुलाई के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है। संकाय में अनुभवी प्राध्यापकों के निर्देशन में शोध (पी-एच. डी.) की भी यू.जी.सी. के मानको के अनुसार सीटें निर्धारित हैं जिनमें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (PUCRET) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है

अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय

अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अंतर्गत स्थापित उमा नाथ सिंह इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी संस्थान 11 विभिन्न विभागों से संगठित विश्वविद्यालय का सबसे बृहद संकाय है। इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1997 में जनपद के प्रतिष्ठित व्यक्ति उमा नाथ सिंह जी की स्मृति में की गयी थी वर्तमान में यह संस्थान विद्यार्थियों की सर्वाधिक संख्या के साथ सबसे समृद्ध तकनीकी संस्थान के रूप में इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं में बी. टेक. की उपाधियां प्रदान करते हुए सफलता पूर्वक अग्रसर है। संकाय में कर्मठ एवं कुशल प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, मास्टर इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, एप्लाइड फिजिक्स, एप्लाइड केमिस्ट्री, एप्लाइड मैथमेटिक्स तथा ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज के तकनीकी विभाग संचालित किये जा रहे हैं।

इस संस्थान के विभिन्न विभागों की सुसज्जित प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं जिसमे उपाधि प्राप्त करने के उपरांत विद्यार्थी देश की सरकारी, अर्ध सरकारी एवं निजी कंपनियों में उच्च पदों की सेवाएँ दे रहें हैं। संकाय के सभी ग्यारह विभागों में साठ साठ (60) बी.टेक. एवं एम्. सी. ए. की सीटें निर्धारित हैं जिसमे उत्तर प्रदेश स्टेट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (UPSEE) परीक्षा के माध्यम से प्रतिवर्ष मई-जून के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है संस्थान में सुयोग्य प्राध्यापकों के निर्देशन में शोध (पी-एच. डी.) की भी यू.जी.सी. के मानको के अनुसार सीटें निर्धारित हैं जिनमें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (PUCRET) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है; यहाँ के छात्र/ छात्राएं विगत दो वर्षों में परिसर में ही नौकरी हेतु प्लेसमेंट की सुविधा पाकर अपने को प्रफुल्लित महसूस कर रहें हैं, जोकि नए प्रवेशार्थियों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा। संकाय को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय/ विश्वबैंक द्वारा 10 करोड़ की तीन वर्षों हेतु तकनीकी शिक्षा उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत निधि प्राप्त है जिसके अंतर्गत प्रयोगशाला एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं के सुदृढीकरण, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के चतुर्मुख विकास हेतु एवं अन्य मदों में व्यय हेतु सहायता उपलब्ध है।

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय

अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय अपने दो विभागों अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान एवं जनसंचार से संचालित हैं। संकाय में कर्मठ एवं कुशल प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान एवं जनसंचार विभाग संचालित किये जा रहे है संकाय के दोनों विभागों में एम्.ए. की साठ साठ (60) सीटें निर्धारित हैं; जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड एडमिशन टेस्ट (PUCAT) के माध्यम से प्रतिवर्ष जून-जुलाई के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है। संस्थान में सुयोग्य प्राध्यापकों के निर्देशन में शोध (पी-एच. डी.) की भी यू.जी.सी. के मानको के अनुसार सीटें निर्धारित हैं जिनमें पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट (PUCRET) परीक्षा के माध्यम से प्रवेश

दिया जाता है; दोनों विभागों के अन्तर्गत उनकी सुसज्जित प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं| यहाँ से छात्र परास्नातक एवं शोध उपाधि प्राप्त करने के उपरांत देश की सरकारी, अर्ध सरकारी, निजी कंपनियों एवं व्यक्तिगत रूप से जैसे की बिज़नेस, हेल्थ, फॉरेंसिक, स्पोर्ट्स, स्कूल परामर्शदाता एवं क्लिनिकल साइकोलोजिस्ट के रूप में तथा पत्रकारिता, दूदर्शन, टी.वी. एवं अन्य आधुनिक जनसंचार से जुड़ी कंपनियों में अपनी सम्मानजनक सेवाएँ दे रहें हैं|

औषधि संकाय

फार्मेसी संस्थान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के परिसर में बिगत 2004 से संचालित है। संकाय में कर्मठ एवं कुशल प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में फार्मेसी स्नातक (बी.फार्म.) पाठ्यक्रम संचालित है जो कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया से मान्यता प्राप्त पूर्वांचल का एक अग्रणी संस्थान है। इस संस्थान से अब तक 12 बैच पास हो चुके हैं जो कि पूरी तरह से निजी क्षेत्र की कंपनियों समेत सरकारी एवं अर्धसरकारी क्षेत्र में सेवारत हैं। शोध के क्षेत्र में संस्थान एक अलग पहचान रखता है संस्थान में प्राकृतिक वनस्पतियों से नई नई दवाओं की खोज मे शोध का कार्य किया जाता है। संस्थान के छात्र छात्राएं ग्रामीण अंचल में जन जागरूकता (कुपोषण, टीकाकरण, निःशुल्क चिकत्सा शिविर, ब्लड डोनेशन कैम्प इत्यादि) में महती योगदान देते हैं| आगामी सत्र में संस्थान में डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्म.) एवं फार्मेसी परास्नातक (एम्.फार्म.) पाठ्यक्रम का संचालन भी प्रस्तावित है। संकाय में बी.फार्म. की साठ (60) सीटें होती हैं जिसमे उत्तर प्रदेश स्टेट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (UPSEE) के माध्यम से प्रतिवर्ष मई-जून के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है।

विधि संकाय

विश्वविद्यालय परिसर में बी.ए.एल.एल.बी.(ऑनर्स) का पंचवर्षीय एकीकृत (इंटीग्रेटेड) पाठ्यक्रम वर्तमान सत्र 2018-19 से संचालित हो रहा हैं। विधि संकाय में बी.ए.-एल.एल.बी.(ऑनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत (इंटीग्रेटेड) पाठ्यक्रम की एक सौ बीस (120) सीटें निर्धारित हैं जिसमे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वांचल यूनिवर्सिटी कंबाइंड एडमिशन टेस्ट (PUCAT) के माध्यम से प्रतिवर्ष जून-जुलाई के माह में शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रवेश दिया जाता है। परिसर में विधि संकाय की स्थापना के साथ पंचवर्षीय एकीकृत बी.ए.-एल.एल.बी.(ऑनर्स) के प्रारम्भ होने से छात्रों को विधि की शिक्षा हेतु दूरस्थ संस्थानों के विकल्प के रूप में विश्वविद्यालय का यह विभाग विद्यार्थीयों के लिए रोजगारपरक सुअवसर प्रदान करेगा; यह पाठ्यक्रम छात्रों को एक रचनात्मक तरीके से गंभीर रूप से सोचने और कानूनी मुद्दों से निपटने के लिए नवीन विचारों के साथ समृध एवं सक्षम बनाता है। इस पाठ्यक्रम की उपाधि प्राप्त करने के उपरांत छात्र राज्य और केंद्र सरकार, अटोर्नी जनरलों, न्यायाधीश, सार्वजनिक/ अभियोजक/ कॉर्पोरेट फर्मों, कानून संस्थानों में कानूनी परामर्श, कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ, न्यायालयों या न्यायपालिका इत्यादि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध उच्चस्तरीय सुविधायें

- छात्रों की दैनिक समस्याओं के सुलभ निराकरण हेतु 'छात्र सुविधा केंद्र'।
- समृध विवेकानंद केन्द्रीय पुस्तकालय।
- छात्रों के परिसर में रहने हेतु सर्व सुविधा संपन्न छात्रावास: - ०३ (छात्राओं हेतु), ०४ (छात्रों हेतु)।
- समस्त विभागों में स्मार्ट क्लास रूम एवं सुसज्जित सभागार।
- विद्यार्थियों को परिसर में ही रोजगार उपलब्ध कराने हेतु सुसक्रिय प्लेसमेंट सेल।
- समस्त परिसर में निगरानी हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था।
- समस्त विभागों में शोध एवं प्रयोगात्मक कार्य हेतु अत्याधुनिक प्रयोगशालायें।
- क्रीड़ा हेतु उच्चीकृत आधुनिक सुविधायों युक्त स्पोर्ट स्टेडियम तथा प्रस्तावित जिमनेजियम।
- 24 घंटे हाई स्पीड इन्टरनेट की छात्रावासों सहित पूरे परिसर में उपलब्धता।
- छात्रों के भविष्य निर्माण हेतु IAS, PCS, NET, GATE, बैंकिंग इत्यादि रोजपरक प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निशुल्क: कोचिंग की सुविधा।
- छात्रों एवं किसानों को मशरुम की खेती के स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण हेतु मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र में प्रशिक्षण की निशुल्क व्यवस्था।